

कामरूपिणी स्त्री. (तत्.) इच्छानुसार रूप बदलने वाली, मायाविनी।

कामरूपी पुं. (तद्.) इच्छानुसार रूप धारण करनेवाला, मायावी।

कामरेड पुं. (अं.) 1. सहयोगी, साथी, साथ काम करने वाला 2. साम्यवादियों का एक दूसरे के लिए संबोधन।

कामर्स पुं. (अं.) व्यापार, वाणिज्य, कारोबार।

कामलोक पुं. (तत्.) बौद्ध दर्शन के अनुसार एक परोक्ष लोक।

कामवती स्त्री. (तत्.) दारुहल्दी वि. (तत्.) काम की वासना रखनेवाली, अत्यंत रूपवती।

कामवन पुं. (तत्.) 1. वह वन जहाँ बैठ कर शिव ने कामदेव को भस्म किया था 2. मथुरा के पास एक प्रसिद्ध वन जो तीर्थ माना जाता है।

कामवश वि. (तत्.) काम के अधीन, कामयुक्त।

कामवृद्धि स्त्री. (तत्.) काम का आवेश या वेग।

कामशास्त्र पुं. (तत्.) वह विद्या या ग्रंथ जिसमें स्त्री पुरुषों के परस्पर समागम आदि के व्यवहारों का वर्णन हो।

कामसखा पुं. (तत्.) 1. वसंत 2. चैत्रमास।

कामसुख पुं. (तत्.) काम का आनंद, विषयानंद।

कामसूत्र पुं. (तत्.) 1. वात्स्यायन द्वारा रचित कामशास्त्र 2. प्रेमसूत्र।

कामांध वि. (तत्.) काम की अधिकता से जिसका विवेक नष्ट हो गया हो।

कामा पुं. (अं.) एक विराम चिह्न जो दो वाक्यों या शब्दों के बीच होता है, इसका चिह्न (,) अर्धविराम।

कामाख्या स्त्री. (तत्.) 1. देवी का एक अभिग्रह 2. सती का योनिपीठ, कामरूप 3. असम के कामरूप क्षेत्र में स्थित दुर्गा देवी की एक प्राचीन मूर्ति।

कामारि पुं. (तत्.) शिवजी का एक नाम।

कामिनी स्त्री. (तत्.) 1. कामवती स्त्री 2. स्त्री 3. दारुहल्दी 4. मदिरा 5. पेड़ों पर का बाँदा 6. मालकोश राग की एक रागिनी 7. एक लकड़ी जिससे मेज कुर्सी आदि बनती है।

कामिल वि. (अर.) 1. पूरा, पूर्ण, समूचा 2. योग्य 3. व्युत्पन्न 4. चमत्कारी।

कामी पुं. (तत्.) 1. चकवा 2. कबूतर 3. चिड़ा 4. सारस 5. चंद्रमा 6. काकड़ासींगी 7. विष्णु का एक नाम 8. शिव का एक विशेषण।

कामी वि. (तत्.) कामना रखनेवाला, इच्छुक 2. विषयी, कामुक, लंपट।

कामुक वि. (तत्.) 1. इच्छा करनेवाला, चाहनेवाला 2. कामी, विषयी।

कामुका स्त्री. (तत्.) इच्छा करनेवाली, धन की कामना करने वाली स्त्री।

कामुकी स्त्री. (तत्.) अत्यंत रति की इच्छा रखनेवाली, पुंश्चली, व्यभिचारिणी।

कामेडियन पुं. (अं.) 1. श्रंगार रस या हास्य रस का अभिनेता 2. सुखांत नाटक लिखनेवाला।

कामेडी स्त्री. (अं.) वह नाटक जिसका अंत आनंद या सुखमय हो, सुखांत (नाटक), कामदी।

कामोत्थाप्य पुं. (तत्.) वह नौकर जिसकी नौकरी अस्थायी हो।

कामोद पुं. (तत्.) संपूर्ण जाति का एक राग जो मालकोश का पुत्र माना जाता है, इसके गाने का समय रात का पहला आधा पहर है तथा इसका उपयोग करुणा और हास्य में होता है।

कामोदनट पुं. (तत्.) एक संकर राग जो कामोद और नट के मेल से बनता है, इसके गाने का समय रात का पहला पहर है।

कामोदसामंत पुं. (तत्.) एक संकर राग जो कामोद और सामंत के योग से बनता है, इसके गाने का समय रात का तीसर पहर है।

कामोद्दीपक वि. (तत्.) काम को उद्दीप्त करनेवाला, जिससे मनुष्य में सहवास की इच्छा अधिक हो।